RAJYA SABHA

Thursday, (he 13th December, 2001/22 *Agrahayana,* 1923 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. CHAIRMAN : Question No. 341. *(Interruptions).*

श्री सुरेश पचौरी : सभापति महोदय, मै विनम्रतापूर्वक जानना चाहता हूं कि हमने क्वश्चिन ऑवर सस्पेंड करने के लिए जो नोटिस दिया है, उसका क्या हुआ ...(**व्यवधान**)...

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद : प्रश्न संख्या 341

Rice for flood hit areas in And lira Pradesh

*341. DR. Y. LAKSHMl PRASAD : Will the Minister of CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to state:

(a) whether Andhra Pradesh has sought three lakh tonnes of rice from the Centre under the food-for-work programme for undertaking works in flood hit areas; and

(b) if so, the action taken to help the State in distress ?

THE MINISTER OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI SH ANT A KUMAR): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) On August 9,2001,3 lakh tonnes of rice was allocated to the Government of Andhra Pradesh, free of cost, for organising employment generation programmes in the drought affected areas of the State. Another allocation of 3 lakh tonnes of rice was made in this regard on October 5, 2001. The State Government had reported that, due to severe drought, the normal area under various crops had been reduced resulting in severe unemployment in the

agricultural sector. Thereafter another communication was received from the State Government pointing out that the recent cyclonic rains had further hampered the agricultural operations in Andhra Pradesh. After receipt of this communication, a further allocation of 2.5 lakh tonnes of rice was made on December 3,2001. Thus, in all, 8.5 lakh tonnes of rice has been allocated to the Government of Andhra Pradesh during the year 2001 for undertaking employment generation programmes in the State.

सभापति महोदय, आंध्र प्रदेश को 9 अगस्त, 2001 को 3 लाख टन चावल भेज दिए गए थे । उसके बाद उन्होंने 5 अक्टूबर, 2001 को फिर मांग की **...(व्यवधान)...** तब 3 लाख टन चावल उनको और दे दिया गया । उसके बाद उन्होंने और मांग की **...(व्यवधान)...** तब 2.5 लाख टन चावल और दे दिया गया । इस प्रकार आंध्र प्रदेश को कुल 8.5 लाख टन चावल दिया जा चुका है । उनकी जितनी मांग थी, उसको सरकार ने पूरा कर दिया है **...(व्यवधान)...**

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद : आपने जो प्रोग्राम दिया है, उसको जून, 2002 तक एक्सटेंड करेंगे या नहीं ?

श्री शांता कुमार : सभापति जी, इस योजना को 3 महीने के लिए सरकार ने और एक्स्टेंड कर दिया है **...(व्यवधान)...**

डा. वाई. लक्ष्मी प्रसाद : मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है, मैं उससे संतुष्ट हूं । धन्यवाद **...(व्यवधान)...**

श्री सुरेश पचौरी : सभापति महोदय, हमने कवश्चिन ऑवर सस्पेंड करने के लिए नोटिस दिया है **...(व्यवधान)...** रक्षा मंत्री पर भ्रष्टारचार के जो आरोप लगे हैं , उनके तहत रक्षा मंत्री इस्तीफा दें, यह मांग की गई है **...(व्यवधान)...**

SHR1NILOTP AL B ASU : I would like to know whether the Government is forcing Shri George Femandes to resign or not. *(Interruptions)*

श्री सुरेश पचौरी : सभापति महोदय, यह सदन नियमों के अनुसार चलने वाला सदन है **...(व्यवधान)** ... हमने एक नोटिस दिया है जिसमें मांग की गई है कि श्री जॉर्ज फर्नांडीज़ त्यागपत्र दें और जो चीजें उजागर की गई हैं **...(व्यवधान)...**

DR. ALLADI P. RAJKUMAR : Sir, please allow me to... *(Interruptions).* Sir, tins is a very important question.... *(Interruptions).* It pertains to my State of Andhra Pradesh.... *(Interruptions).*